



हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड

पाठ्यक्रमस्य अध्यायानुसारम् अङ्कानां विभाजनम् (2026-27)

कक्षा :- पूर्व मध्यमा भाग-1 विषय : संस्कृत साहित्य कोड: 901 SKS

सामान्य निर्देशाः-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रमस्य आधारे एका वार्षिकी परीक्षा भविष्यति।
2. वार्षिकी परीक्षा अ 80 अङ्कानां भविष्यति एवं च आन्तरिकं मूल्याङ्कनं अ 20 अङ्कानां भविष्यति।
3. आन्तरिकमूल्याङ्कनस्य कृते निम्नानुसारम् आवधिकं मूल्याङ्कनं भविष्यति-
 - (i) 6 अङ्कानां कृते - 3 सैट (SAT) परीक्षाणाम् आयोजनं भविष्यति। तासु परीक्षासु अन्तिमान्तरिकमूल्याङ्कने 06 अङ्कानां भाराङ्को भविष्यति।
 - (ii) 2 अङ्कयोः कृते- एका अर्धवार्षिकी परीक्षा भविष्यति। यस्या अन्तिमान्तरिकमूल्याङ्कने 2 अङ्कयोः भाराङ्को भविष्यति।
 - (iii) 2 अङ्कयोः कृते - शिक्षकाः कक्षा -कक्षयोः सहभागितायाः (CRP) कृते मूल्याङ्कनं करिष्यन्ति एवं च अधिकतमौ द्वौ अङ्कौ अन्तिमान्तरिकमूल्याङ्कने दास्यन्ति।
 - (iv) 5 अङ्कानां कृते- छात्राः परियोजनाकार्यं करिष्यन्ति। यस्य अन्तिमान्तरिकमूल्याङ्कने 05 अङ्कानां भाराङ्को भविष्यति।
 - (v) 5 अङ्कानां कृते- छात्राणाम् उपस्थितेः अनुसारेण अधिकतमाः 05 अङ्काः प्रदीयन्ते-

| | |
|-------------|---------------------------|
| 75% तः | 80% पर्यन्तम् = 01 अङ्कः |
| 80% तः उपरि | 85% पर्यन्तम् = 02 अङ्कौ |
| 85% तः उपरि | 90% पर्यन्तम् = 03 अङ्काः |
| 90% तः उपरि | 95% पर्यन्तम् = 04 अङ्काः |
| 95% तः उपरि | = 05 अङ्काः |



पाठ्यक्रमस्य संरचना (2026-27)

कक्षा :- पूर्व मध्यमा भाग-1

विषय : संस्कृत साहित्य

कोड: 901 SKS

| क्रम-संख्या | आकलनबिन्दवः | अङ्का |
|-------------|--|--------------------|
| 1. | खण्डः 'क' पंचतंत्रम्(अपरीक्षितकारकम्) <ul style="list-style-type: none">गद्यांशयोः पद्यांशयोर्वा एकतरस्य हिन्दीव्याख्याकथासारः/शब्दार्थः | (20) 10 10 |
| 2. | खण्डः 'ख' नीतिशतकम्(भर्तृहरिकृतम्) <ul style="list-style-type: none">श्लोकव्याख्या | 14 |
| 3. | खण्डः 'ग' यजुर्वेदस्य चत्वारिंशोऽध्यायः(महर्षिदयानन्दकृतव्याख्या) <ul style="list-style-type: none">मन्त्रव्याख्याकण्ठस्थीकृतमन्त्रद्वयलेखनम् | (20) 12 08 |
| 4. | खण्डः 'घ' सत्यार्थप्रकाशः (द्वितीयसमुल्लासः) – महर्षिदयानन्दः | 10 |
| 5. | खण्डः 'ङ' बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः बहुविकल्पीयप्रश्नाः एकैकस्याङ्कस्य सम्पूर्णपाठ्यक्रमात् निश्चिताः सन्ति। | 16 |
| | | योगः 80 |
| | आन्तरिक-मूल्याङ्कनम् | 20 |
| | | सम्पूर्णाङ्काः 100 |



खण्ड: 'क'—पंचतंत्रम् (अपरीक्षितकारकम्)

श्लोकानां सस्वरगायनम्, अर्थज्ञानम्, भावार्थबोधनम्, प्रसङ्गज्ञानम्, अन्वयपरिज्ञानं च। गद्यवाचनस्याभ्यासः, गद्यांशस्य सरलार्थज्ञानम् (उभयोः गद्यांशपद्यांशयोः)। कर्तृपदानां क्रियापदानां विशेषण-विशेष्ययोः च परिज्ञानम्। कथाधारितप्रश्नोत्तराणाम् एकपदेन वाक्येन च अभ्यासः, साररूपेण कथाज्ञानम्।

खण्ड: 'ख'—नीतिशतकम्

श्लोकानां सस्वरगायनम्, अर्थज्ञानम्, भावार्थबोधनम्, प्रसङ्गज्ञानम्, अन्वयपरिज्ञानम् श्लोकाधारितानां प्रश्नोत्तराणाम् एकपदेन पूर्णवाक्येन च अभ्यासः। श्लोकान्तगतानां पर्यायपदानां विलोमपदानां विशेष्यविशेषणपदानां कर्तृपदानां क्रियापदानां च ज्ञानम्।

खण्ड: 'ग'—यजुर्वेदस्य चत्वारिंशोऽध्यायः

मन्त्राणां शुद्धोच्चारणम्, मन्त्रार्थानां ज्ञानम्, मन्त्राणां भावार्थबोधनम्। अन्वयस्य ज्ञानम्। मन्त्राधारितानां प्रश्नोत्तराणाम् एकपदेन पूर्णवाक्येन च अभ्यासः। मन्त्रान्तगतानां पर्यायपदानां विलोमपदानां विशेष्य-विशेषणपदानां अवबोधः।

खण्ड: 'घ'— सत्यार्थप्रकाशः (द्वितीयसमुल्लासः)

समुल्लासपरिचयः, गद्यवाचनस्य अभ्यासः, गद्यांशाधारितानां प्रश्नोत्तराणाम् अभ्यासः, प्रश्ननिर्माणस्य अभ्यासः।



मासिक पाठ्यक्रमस्य शिक्षण-योजना (2026-27)

कक्षा :- पूर्व मध्यमा भाग-1

विषय : संस्कृत साहित्य

कोड: 901 SKS

| मास | पाठ्यपुस्तकस्य नाम | पाठ्यविन्दवः | शिक्षणस्य कालांशाः | पुनरावृत्तेः कालांशाः |
|---------|--|--|--------------------|-----------------------|
| अप्रैल | सत्यार्थप्रकाशः (द्वितीयः समुल्लासः) यजुर्वेदभाष्यम् (चत्वारिंशोऽध्यायः) नीतिशतकम् पंचतंत्रम् (अपरीक्षितकारकम्) | बालशिक्षाविषयः | 4 | - |
| | | 1-2 मन्त्रौ | 4 | 2 |
| | | 1-10 श्लोकाः प्रथमा कथा | 7 | 2 |
| | | | 2 | 1 |
| मई | सत्यार्थप्रकाशः (द्वितीयः समुल्लासः) यजुर्वेदभाष्यम् (चत्वारिंशोऽध्यायः) नीतिशतकम् पंचतंत्रम् (अपरीक्षितकारकम्) | भूतप्रेतादिनिषेधः | 4 | 1 |
| | | 3-4 मन्त्रौ | 3 | 1 |
| | | 11-20 श्लोकाः द्वितीया कथा | 7 | 3 |
| | | | 2 | 1 |
| जून | | ग्रीष्मावकाशेषु संस्कृतसम्बद्धगतिविधयः | | |
| जुलाई | सत्यार्थप्रकाशः (द्वितीयः समुल्लासः) यजुर्वेदभाष्यम् (चत्वारिंशोऽध्यायः) नीतिशतकम् पंचतंत्रम् (अपरीक्षितकारकम्) | जन्मपत्रसूर्यादिग्रहसमीक्षा- विषयः | 4 | 2 |
| | | 5-6 मन्त्रौ | 4 | 2 |
| | | 21-30 श्लोकाः तृतीया कथा | 8 | 3 |
| | | | 2 | 1 |
| अगस्त | यजुर्वेदभाष्यम् (चत्वारिंशोऽध्यायः) नीतिशतकम् पंचतंत्रम् (अपरीक्षितकारकम्) | 7-8 मन्त्रौ | 5 | 2 |
| | | 31-41 श्लोकाः 4-5 कथे | 8 | 3 |
| | | | 5 | 2 |
| सितंबर | यजुर्वेदभाष्यम् (चत्वारिंशोऽध्यायः) नीतिशतकम् पंचतंत्रम् (अपरीक्षितकारकम्) | 9-10 मन्त्रौ | 5 | 2 |
| | | 42-52 श्लोकाः 6-7 कथे | 8 | 3 |
| | | | 5 | 2 |
| अक्तूबर | यजुर्वेदभाष्यम् (चत्वारिंशोऽध्यायः) नीतिशतकम् पंचतंत्रम् (अपरीक्षितकारकम्) | 11-12 मन्त्रौ | 4 | 2 |
| | | 53-63 श्लोकाः 8-9 कथे | 8 | 3 |
| | | | 4 | 2 |



| | | | | |
|--------|---|---|--------------|-------------|
| नवंबर | यजुर्वेदभाष्यम् (चत्वारिंशोऽध्यायः) नीतिशतकम् पंचतंत्रम् (अपरीक्षितकारकम्) | 13-14 मन्त्रौ 64-74 श्लोकाः 10-11 कथे | 4 8 4 | 2 3 2 |
| दिसंबर | यजुर्वेदभाष्यम् (चत्वारिंशोऽध्यायः) नीतिशतकम् पंचतंत्रम् (अपरीक्षितकारकम्) | 15-16 मन्त्रौ 75-85 श्लोकाः 12-13 कथे | 4 8 4 | 1 2 1 |
| जनवरी | यजुर्वेदभाष्यम् (चत्वारिंशोऽध्यायः) नीतिशतकम् पंचतंत्रम् (अपरीक्षितकारकम्) | सप्तदशः मन्त्रः 86-100 श्लोकाः चतुर्दशी कथा | 4 8 4 | 1 2 1 |
| फ़रवरी | यजुर्वेदभाष्यम् (चत्वारिंशोऽध्यायः) नीतिशतकम् पंचतंत्रम् (अपरीक्षितकारकम्) | आवृत्तिः आवृत्तिः आवृत्तिः | 7 10 7 | - - - |
| मार्च | वार्षिकी परीक्षा | | | |

विशेषकथनम्—

विषयशिक्षकेभ्यः मन्तव्यो दीयते यत् ते छात्राणां शब्दावल्याः अवधारणाश्च स्पष्टतां वर्धनाय अध्यायेषु प्रयुक्तायाः शब्दावल्याः परिभाषात्मकशब्दानां टिप्पणीपुस्तिका सज्जीकरणाय च निर्देशं कुर्युः।

निर्धारितपुस्तकानि—

1. पंचतंत्रम्(अपरीक्षितकारकम्)
2. नीतिशतकम् (भर्तृहरिकृतम्)
3. यजुर्वेदभाष्यम् (महर्षिदयानन्दकृतव्याख्या)
4. सत्यार्थप्रकाशः (महर्षिदयानन्दः)



प्रश्नपत्रस्य प्रारूपम् (2026-27)

कक्षा :- पूर्व मध्यमा भाग-1

विषय : संस्कृत साहित्य

कोड: 901 SKS

| प्रश्नानां प्रकारः | अङ्काः | संख्या | विवरणम् | पूर्णाङ्काः |
|--------------------------|--------|--------|--|-------------|
| वस्तुनिष्ठप्रश्नाः | 1 | 16 | 16 बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः | 16 |
| अतिलघूत्तरात्मकप्रश्नाः | 2 | 10 | श्लोककण्ठस्थीकरणम्, मंत्रकण्ठस्थीकरणम्, गद्यपद्यव्याख्या | 20 |
| लघूत्तरात्मकप्रश्नाः | 4 | 5 | प्रश्नाः, मन्त्रव्याख्या | 20 |
| दीर्घ-उत्तरात्मकप्रश्नाः | 6 | 4 | श्लोकव्याख्या, कथासारः, गद्यपद्यव्याख्या | 24 |
| योगः | | 35 | | 80 |

